

प्रेषक,

एम0एच0 खान,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,  
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,  
यमुना कालोनी, देहरादून।

सिंचाई अनुभाग-2,

देहरादून, दिनांक 25 नवम्बर, 2014

विषय:- श्री केदारनाथ धाम के पुनर्निर्माण के सम्बन्ध में।  
महोदय,

उपर्युक्त विषयक के क्रम में अवगत कराना है कि श्री केदारनाथ धाम के पुनर्निर्माण के दृष्टिगत शासन द्वारा सम्यक विचारोपरान्त निम्नलिखित निर्णय लिए गये हैं:-

- (1) श्री केदारनाथ मन्दिर की सुरक्षा के लिए मन्दिर के पृष्ठ भाग में आपदा को झेलने में सक्षम तीन सुरक्षा दीवारें बनायी जाय। इसके लिए हाई एल्टीट्यूड में कार्य करने वाली अनुभवी अन्तर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ संस्थाओं की सेवायें ली जाय।
- (2) वर्ष 2013 की आपदा में मुख्य मन्दिर की सुरक्षा करने वाली शिला (दिव्य शिला) को न हटाया जाय।
- (3) श्री केदारनाथ मन्दिर परिसर में होने वाले निर्माण कार्यों में अन्तर्राष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञों का भी परामर्श लिया जाय। श्री केदारनाथ धाम की यात्रा को सुचारु रूप से संचालित करने हेतु किये जाने वाले सभी प्रकार के निर्माण कार्य तीन वर्ष के भीतर पूर्ण कर लिये जाय।
- (4) श्री केदारनाथ मन्दिर परिसर में होने वाले निर्माण कार्य भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग/जी0एस0आई0 के परामर्शानुसार किया जाय और मन्दिर परिसर में होने वाले निर्माण कार्यों का दायित्व श्री बद्री-केदार मन्दिर समिति को दिया जाय। श्री केदारनाथ मन्दिर परिसर में होने वाले निर्माण कार्यों हेतु राज्य सरकार द्वारा मन्दिर समिति को यथासम्भव यथाप्रक्रिया आर्थिक सहायता प्रदान की जाय।
- (5) श्री केदारनाथ यात्रा मार्ग में अत्याधुनिक तकनीकी से सड़कों, एलीवेटेड रोड का निर्माण किया जाय। केदारपुरी में बैटरी चालित कारें चलाये जाने हेतु वांछित अवस्थापना सुविधाएं सृजित की जाय।
- (6) आपदा में मारे गये लोगों की याद में स्थान रामबाड़ा एवं श्री केदारनाथ धाम में स्मृति स्थल बनाये जाय।
- (7) सरस्वती नदी के किनारे तर्पण घाटों का निर्माण किया जाय।
- (8) लिनचौली से श्री केदारनाथ धाम तक दो रोपवे के निर्माण हेतु आगणन प्राप्त करते हुये यथाप्रक्रिया अग्रेत्तर कार्यवाही की जाय।
- (9) लिनचौली से श्री केदारनाथ धाम तक बनाये गये नये पैदल मार्ग पर यथानिर्दिष्ट स्थानों पर बैली ब्रिज का निर्माण किया जाय।

- (10) श्री केदारनाथ पैदल मार्ग पर यात्रियों के ठहरने हेतु यथानिर्दिष्ट स्थानों पर सरायों का निर्माण किया जाय।
- (11) श्री केदारनाथ धाम में मूल हक-हकूकधारी स्थानीय 600 परिवारों को श्री केदारनाथ धाम में बसाया जायेगा। मूल हक-हकूकधारियों के हितों की रक्षा हेतु जिलाधिकारी, रुद्रप्रयाग को भूमि बन्दोबस्त आयुक्त बनाया जाय।
- (12) वन विभाग की ओर से त्रिजुगीनारायण-चौमासी वैकल्पिक मार्ग को विकसित करते हुये यात्रियों के ठहरने हेतु सराय के साथ-साथ बाजार भी विकसित किये जाय।
- (13) आपदा प्रभावित श्री केदारनाथ यात्रा मार्ग में हैलीकॉप्टरों के लैंडिंग चार्ज पर जून, 2015 तक यथाप्रक्रिया पूर्ववत् छूट (माफ) प्रदान की जाय।
- (14) आपदा-2013 में मारे गये व्यक्तियों के आश्रितों को शासकीय सेवा में लिये जाने के सम्बन्ध में कार्मिक विभाग द्वारा सभी तथ्यों का परीक्षण कर एवं परामर्शी विभागों का मन्तव्य प्राप्त कर प्रस्ताव मंत्रिमण्डल के समक्ष विचारार्थ/निर्णयार्थ प्रस्तुत किया जाय।
- (15) श्री केदारनाथ पुनर्निर्माण से सम्बन्धित समस्त कार्य राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (SDMA) के तत्वाधान में सम्पन्न होंगे।

अतः इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सिंचाई विभाग से सम्बन्धित उपरोक्त निर्णयों का क्रियान्वयन/अनुपालन शीघ्र सुनिश्चित करते हुए कृत कार्यवाही से शासन को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(एम0एच0 खान)  
प्रमुख सचिव।

संख्या:- 320 / सी0एम0 / 11-2014-14(04) / 2010, तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव, मा0 सिंचाई मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. सचिव, आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
5. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, उत्तराखण्ड।
6. जिलाधिकारी, रुद्रप्रयाग, उत्तराखण्ड।
7. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर उत्तराखण्ड।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(चन्दन सिंह रावत)  
अनु सचिव।